Total Pages : 4

3381-P

B.A. (III Year) (Private) Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper–I

(काव्य)

Time allowed : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई-I

1. **(i)** कबीर के राम की कोई तीन विशेषताएँ लिखिये।

(ii) जायसी ने 'पद्मावत' में कितन घटनाओं को ऐतिहासिक सत्य के रूप में ग्रहण किया है।

इकाई-II

(iii) भ्रमरगीत का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) गोस्वामी तुलसीदास मूलत: किस रस के कवि हैं।

इकाई-III

(v) सुन्दरदास के गुरु व शिष्यों के नाम लिखिये।

(vi) राजस्थानी प्रेमाख्यानक परम्परा के प्रसिद्ध ग्रन्थ का नाम लिखिये, इसका प्रकाशन कहाँ से हुआ।

इकाई-IV

(vii) 'नहुष' रचना का उद्देश्य बताइये।

(viii) 'नहुष' रचना के किसी एक पात्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिये।

इकाई-V

(ix) किस भक्ति काव्यधारा में गुरु को सर्वाधिक महत्त्व दिया गया है?

(x) लक्षणा शब्द शक्ति का परिचय दीजिए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

अब तोहिं जाँन न दैहूँ राम पियारे, ज्यूँ भावै त्यूँ होहू हमारे।

बहुत दिनन के बिछुरे हरि पाये, भाग बड़े घरि बैठे आए।।

चरननि लागि करौं बरिआइ, प्रेम प्रीति राखौं उरझाई।

इत मनि मन्दिर रहा नित चोखै, कहे कबीर करहु मति धोखै।।

3. जायसी के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

इकाई-II

4. तुलसी की भक्ति भावना का विवेचन कीजिए।

5. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

धुरि भरे अति सोभित स्याम जू, तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी।

खेलत खात फिरै अँगना, पग पैंजनिया कटि पीरी कछोटी।।

वा छवि को 'रसखानि' बिलोकत, बारत काम कला निज कोटी।

काग के भाग बड़े सजनी, हरि हाथ सौं लै गयो माखन रोटी।।

इकाई-III

6. सुन्दरदास की गुरु महिमा को समझाइये

7. मारवणी द्वारा दिए गए सन्देश की मार्मिकता एवं कलात्मकता का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

इकाई-IV

8. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''नहीं, किन्तु पद में सदैव एक मद है;
सीमा लांघ जाता उमड़ता जो नद है।
निश्चय है कब क्या किसी के मन का कहीं,
शंकित हो मेरा मन, आतंकित है यहीं।''

9. 'नहुष' काव्य के नामकरण की युक्तियुक्त विवेचना कीजिए।

इकाई-V

10. रामभक्ति धारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

11. शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए प्रमुख शब्द शक्तियों का परिचय दीजिए।

खण्ड-स

इकाई-I

12. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दइीजिए :

''कबीरदास उपदेशक के रूप में आज भी प्रासंगिक लगते हैं।'' कथन की सोदाहरण सर्मीक्षा कीजिए।

इकाई-II

13. 'सूर की गोपियों का सच्चा अनुराग उनके वियोग में परिलक्षित होता है।' उक्ति की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

इकाई-III

14. मीरा की प्रेमानुभूति के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

इकाई-IV

15. 'नहुष' काव्य में निहित सन्देश को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

इकाई-V

16. भक्तिकाल की विभिनन धाराओं का परिचय देते हुए सूफी काव्यधारा की विशेषताएँ बताइये।